

20

पत्रावली पेश हुई, अधिकांकण द्वारा
न्यायिक कार्य को अवरुद्ध रखने
से पत्रावली दिनांक 27/10 को पेश हो।

20/10

उभय पक्ष उपस्थित होने पर अधिकांश राजकीय
कार्य से बाहर हैं। अतः पत्रावली दिनांक 17-11-20 को पेश हो।

17/12

उभय पक्ष उपस्थित होने पर अधिकांश राजकीय
कार्य से बाहर हैं। अतः पत्रावली दिनांक 15-12-20 को पेश हो।

15/12/20

उभय पक्ष उपस्थित होने पर अधिकांश राजकीय
कार्य से बाहर हैं। अतः पत्रावली दिनांक 24-12-20 को पेश हो।

24/12/20

पत्रावली पेश हुई, अधिकांकण द्वारा
न्यायिक कार्य को अवरुद्ध रखने
से पत्रावली दिनांक 24/12 को पेश हो।

8-1-21

उभय पक्ष उपस्थित होने पर अधिकांश राजकीय
कार्य से बाहर हैं। अतः पत्रावली दिनांक 19-1-21 को पेश हो।


19-1-21

पत्रावली पेश हुई, उभयपक्ष उपस्थित, वकील अप्राधी
सं० 1 जवाब नहीं देकर स्वीधी बहस करना
चाहते हैं। उभयपक्षों की बहस सुनी गयी, बहस
के दौरान वकील प्रार्थिया ने अपने प्रार्थना पत्र में
प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर प्रार्थना पत्र को स्वी
किये जाने की इस्तुद्धा की। जब कि वकील अप्राधी ने
की अस्वीकार किये जाने का विवेक किया।
मैंने पत्रावली का अवलोकन किया पत्रावली में प्रस्तुत
दस्तावेजों एवं प्राप्त मौखिक विपत्तिका अध्ययन किया।
वकील प्रार्थिया का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर

हुकम या कार्यवाही भय इतिहास पत्र

नम्बर
अहकाम
हुकम की
में जा

मिर्ठीय हुकम से लिखा जाकर सलमन पत्रावली किया
गया। पत्रावली फॉर्मल शुमार होकर अम्बर से कम
हो।


उपखण्ड अधिकारी
मांडल जिला बालवाड़ा

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी माण्डल जिला भीलवाडा

पीठासीन अधिकारी-डॉ पूजा सक्सेना आर.ए.एस.

मुकदमा संख्या - 02/20 प्र.पत्र

1-श्रीमती पुष्पा देवी वंश्री कैशरीमाल स्वर्गीक विवाही-वागौर तहसील-माण्डल

प्रार्थी

वनाम

1-श्री मकरनाज वंश्री गजोहर सांसी विवाही-तहसील वागौर तहसील-माण्डल

2. कमला वंश्री लक्ष्मी स्वर्गीक विवाही-वागौर तहसील-माण्डल

3-शावराम राठप वंश्री तहसील वागौर तहसील-माण्डल

-विपक्षीगण

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 111-128 राभूरा अधि 1956

दिनांक 19.01.2021

::आदेश::

प्रार्थी की ओर से एक प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 111-128 राभूरा अधि 1956 के तहत प्रस्तुत कर निवेदन किया कि ग्राम वागौर पटवार हल्का वागौर तहसील माण्डल में उसके खाते /संयुक्त खाते की आराजी नं. 7789/2124 कुल विता 01 रकबा — बीघा 10 बिस्वा स्थित है। वादग्रस्त भूमि के विपक्षीगण के मध्य आराजी मुतदायिवा के सीमा चिन्ह नहीं होने से आये दिन सीमा संबंधी विवाद उत्पन्न होता रहता है जिसमें प्रार्थी अपने खाते/संयुक्त खाते की भूमि की पत्थरगढी के आदेश प्रदान कराये जावे।

प्रस्तुत प्रार्थना पत्र इस न्यायालय ने दिनांक 10-01-20 को पजीवद्ध किया जाकर प्रकरण को अवलोकनार्थ से यह बात सिद्ध है कि वादग्रस्त भूमि प्रार्थी एवं कब्जा कर्ता काश्त की होने से पत्थरगढी कराने का अधिकारी है। वैसे भी इस प्रकार के आदेश से अधिकारी अभिलेख में किसी प्रकार की हेरा-फेरी होने का अदशा नहीं है तथा न किसी प्रकार अधिकार निर्धारित किये जाते हैं। अतः इन तथ्यों को देखते हुए नैसर्गिक की न्यायिक सिद्धान्त के आधार पत्र खोजार वाज्य है।

::आदेश::

प्रार्थी का प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 111-128 राभूरा अधि 1956 का स्वीकार किया जाकर ग्राम वागौर पटवार हल्का वागौर तहसील माण्डल में उसके खाते/संयुक्त खाते की आराजी नं. 7789/2124 कुल विता 01 रकबा — बीघा 10 बिस्वा भूमि के चारों तरफ सीमा की पुस्तक जानकारी किये जान हेतु पत्थरगढी किये जाने का आदेश दिया जाता है। पत्थरगढी किये जाने हेतु मु-अभिलेख नं. वागौर को 300/- रुपये/- कमिश्नर फीस पर कमिश्नर नियुक्त किया जाता है। कमिश्नर फीस प्रार्थीगण मेंके पर जमा करावे। कमिश्नर फीस जमा हान पर पक्षधारण की माण्डल न माफ व कब्जा की यथास्थिति को बनाये रखते हुए मुरतकील दिन्दु का आचार मानकर पत्थरगढी की जावे। फलतः वादो जान पर पत्थरगढी नहीं की जावे।

उपखण्ड अधिकारी
माण्डल जिला भीलवाडा

प्रतिलिपि- तहसीलदार माण्डल को भेजकर तथा हे कि प्रार्थी द्वारा राशि जमा कराने पर नियमानुसार पत्थरगढी की जाकर पालना रिपोर्ट 07 दिवस में प्रस्तुत करे।

उपखण्ड अधिकारी
माण्डल जिला भीलवाडा